अतियंत गोपनीय -केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतू

माध्यमिक विधालय परीक्षा, मार्च-2020

अक-योजना : **सामाजिक विज्ञान**

SUBJECT कोड संख्या : 087 PAPER कोड : 32/3/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्नपत्र में दिए गए दक्षता आधारित(competency based) दो प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक-योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

माध्यमिक विद्यालय परीक्षा (मार्च- 2020)

सामाजिक विज्ञान (087)

अंकन योजना 32/3/3

MM-80

QNO.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक अनुभाग - क	PAGE NO.	MARKS
1.	संघ का अधिनियम (The Act of Union)	PG-22 H	1
2.	**b) भारतीय रिजर्व बैंक।**	PG-40 E	1
3.	सरकार द्वारा बाधाओं या प्रतिबंधों को हटाना उदारीकरण के रूप में जाना जाता है। अथवा विश्व व्यापार संगठन (WTO) एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना है।	PG-64 E PG-65 E	1 1
4.	**प्रति व्यक्ति आय**- देश की कुल आय इसकी कुल जनसंख्या से विभाजित है। **अथवा** **साक्षरता दर**- 7 और उससे अधिक आयु वर्ग में साक्षर जनसंख्या के अनुपात को मापता है।	PG-8 PG-10	1 1
5.	a)/ दोनों (A) और (R) सत्य हैं और (R) A सही स्पष्टीकरण है I	PG-92 DP	1
6.	ग) बढ़ई (3) प्राथमिक क्षेत्र।	PG-20 E	1

7.	**राजनीतिक दलों को लोगों की जरूरतों और मांगों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने का तरीका**- i. केवल उन राजनीतिक दलों का चुनाव करके जो लोगों के कल्याण के लिए काम करते हैं। ii. मतभेदों को सुलझाने के लिए तंत्र विकसित करना। iii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी एक का उल्लेख **अथवा** **राजनीतिक दलों में जन भागीदारी को बढ़ावा देने का तरीका**- i. राजनीतिक दलों को विभिन्न समूहों को समायोजित करने के लिए प्रतिनिधित्व देना चाहिए। ii. लोगों के कल्याण के लिए कानूनों और नीतियों की रूपरेखा तैयार करना। iii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी एक का उल्लेख	PG-74 DP PG86 DP	1 1
8.	d) /1,2, और 3	PG-20 DP	1
9.	. सूचना प्रौद्योगिकी के निर्यात को बढ़ाने का तरीका- i. सॉफ्टवेयर एप बनाएं। ii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	PG-76 G	1
10.	A- पाइपलाइन। B- - समुद्री परिवहन	PG-81 G	1
11.	शुष्क मृदा	PG-10 G	1
12.	b) / बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय।	PG-71 H	1
13.	d) पारंपरिक अभिजात वर्गों ने इसका समर्थन किया।	PG-164 H	1
14.	**द्वितीय विश्व युद्ध के दो खेमे** - धुरी शक्तियां और मित्र राष्ट्र । **अथवा** **बॉम्बे के उद्योगपति** जिन्होंने 19 वीं शताब्दी में विशाल औद्योगिक साम्राज्य बनाए थे- दिनशॉ मानेक जी पेटिट और जमशेदजी नुसरवानजी टाटा।	PG-98 PG-118	1 1

15.	c) व्यक्ति के लिए अज़ादी और कानून के समक्ष सबकी बराबरी	PG-9 H	1
16.	b) मैटरनिख	PG-13 H	1
17.	d)/ 4-3-1-2	PG-56 H	1
18.	आईटी उद्योग अथवा सीमेंट उद्योग	PG-75 G PG-76 G	1 1
19.	धर्मनिरपेक्षता	PG-48-49 DP	1
20.	मक्का की फसल के लिए तापमान की आवश्यकता- 21° से 23 अथवा गेहूं के लिए वार्षिक वर्षा की आवश्यकता- 50 से 75 से.मी.	PG-38 G PG-38 G	1 1
21.	**अनुभाग-ख** **अंग्रेजों के लिए फायदेमंद भारतीय व्यापार**: i. व्यापार अधिशेष - ब्रिटेन में भारतीय के साथ एक व्यापार अधिशेष किया था। ब्रिटेन ने अन्य देशों के साथ अपने व्यापार घाटे को संतुलित करने के लिए इस अधिशेष का उपयोग किया। ii. होम चार्ज - भारत में ब्रिटेन के व्यापार अधिशेष ने तथाकथित घरेलू शुल्क का भुगतान करने में भी मदद की, जिसमें ब्रिटिश अधिकारियों और व्यापारियों द्वारा निजी प्रेषण घर, भारत के बाहरी ऋण पर ब्याज भुगतान और भारत में ब्रिटिश अधिकारियों के पेंशन शामिल थे। iii. कपास का प्रमुख आपूर्तिकर्ता - भारत ब्रिटिशों को कच्चे कपास का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना रहा, जिसे ब्रिटेन के सूती वस्त्र उद्योग को खिलाना आवश्यक था।	PG-91 H	3

	iv. इंडेंट्योर श्रमिकों के आपूर्तिकर्ता - बिहार, यूपी, मध्य भारत के कई इंडेंट्योर श्रमिक खानों और बागानों में काम करने के लिए दूसरे देशों में चले गए। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या #(**नोट**-***कृपया शताब्दी पर ध्यान न देते हुए उत्तर को जांच कीजिये***) **अथवा** **उन्नीसवीं सदी के मध्य में कुलीन वर्ग के पसंदीदा हाथ से बने सामान**: i. बहुत सारे उत्पाद केवल हाथ से ही तैयार किये जा सकते थे I ii. मशीनों से तो एक जैसे किस्म के उत्पाद ही बड़ी संख्या में बनाये जा सकते थे I iii. बाजार की मांग अक्सर बारीक डिजाइन और ख़ास आकारों वाले सामानों के लिए थी जो केवल हाथ श्रम का उत्पादन कर सकते थे। iv. विक्टोरियन ब्रिटेन में, उच्च वर्गों ने हाथ से उत्पादित चीजों को प्राथमिकता दी। वे v. हाथों से बनी चीज़ो को परिष्कार और सुरुचि का प्रतीकमाना जाता था vi. उनकी फिनिश और डिज़ाइन अच्छे होते थी । वे बेहतर रूप से तैयार थे, व्यक्तिगत रूप से निर्मित और सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए। vii. मशीन-निर्मित सामान कॉलोनियों को निर्यात के लिए थे। viii. बहुत सारे उत्पाद केवल हाथे से ही तैयार किये जा सकते थे किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या	PG-109-110 H	3
22.	**तृतीयक क्षेत्र का महत्व**: i. किसी भी देश में कई सेवाओं जैसे कि अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, पोस्ट और टेलीग्राफ सेवाओं, पुलिस स्टेशनों, अदालतों, आदि की आवश्यकता होती है। इन्हें मूलभूत सेवाओं के रूप में माना जा सकता है। ii. कृषि और उद्योग के विकास से परिवहन, व्यापार, भंडारण जैसी सेवाओं का विकास होता है। iii. जैसे-जैसे आय का स्तर बढ़ता है, कुछ निश्चित लोग कई और सेवाओं की मांग करने लगते हैं जैसे बाहर खाना, पर्यटन, खरीदारी, निजी अस्पताल, निजी स्कूल, व्यावसायिक क्षेत्र आदि।	PG-24 E	3

	समग्र रूप में मूल्यांकन **अथवा** **एक अर्थव्यवस्था का संगठित क्षेत्र:** संगठित क्षेत्र उन उद्यमों या काम के स्थानों को शामिल करता है जहां रोजगार की शर्तें नियमित हैं और इसलिए, काम का आश्वासन दिया है। i. उन्हें सरकार द्वारा पंजीकृत किया जाता है और इसके नियमों और विनियमों का पालन करना होता है जैसे कि फैक्ट्रीज एक्ट, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, ग्रेच्युटी अधिनियम का भुगतान, दुकानें और प्रतिष्ठान अधिनियम आदि। ii. इस को संगठित कहा जाता है क्योंकि इसमें कुछ औपचारिक प्रक्रियाएँ और प्रक्रियाएँ हैं। iii. इनमें से कुछ लोगों को किसी के द्वारा नियोजित नहीं किया जा सकता है, लेकिन वे स्वयं काम कर सकते हैं, लेकिन उन्हें भी सरकार के साथ खुद को पंजीकृत करना होगा और नियमों और विनियमों का पालन किया जाता है। iv. संगठित क्षेत्र के श्रमिकों को रोजगार की सुरक्षा प्राप्त है। v. उनसे केवल कुछ घंटों के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है। यदि वे अधिक काम करते हैं, तो उन्हें नियोक्ता द्वारा ओवरटाइम का भुगतान करना होगा। vi. उन्हें अवकाश, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी आदि के दौरान भुगतान किया जाता है। vii. उन्हें चिकित्सा लाभ मिलना चाहिए और कानूनों के तहत, कारखाने के प्रबंधक को पीने के पानी और सुरक्षित कामकाजी वातावरण जैसी सुविधाओं को सुनिश्चित करना है। viii. कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या	PG-31 E	3
23.	**पेट्रोल के उपयोग को कम करने के तरीके**- i. सीमित ऊर्जा संसाधनों का विवेकपूर्ण और नियोजित उपयोग।	PG- 63 G.	3

	ii. सीएनजी का उपयोग या ऊर्जा के वैकल्पिक गैर-पारंपरिक संसाधन iii. सार्वजनिक परिवहन प्रणाली iv. बिजली बचत उपकरणों का उपयोग v. उपयोग में न होने पर बिजली बंद करना। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या		
24.	**भारत की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पर प्रथम विश्व युद्ध के निहितार्थ**: i. इसके कारण रक्षा व्यय में भारी वृद्धि की गयी जिसके कारण युद्ध ऋण और बढ़ते हुए करों का वित्तपोषण किया गया। ii. सीमा शुल्क को उठाया गया और आयकर पेश किया गया। iii. मूल्य में वृद्धि हुई और आम लोगों के लिए अत्यधिक कठिनाई हुई। iv. ग्रामीण क्षेत्रों में जबरन भर्ती से व्यापक स्तर पर रोष फैल गया। v. भारत के कई हिस्सों में फसलें खराब हो गईं, जिससे भोजन की भारी कमी हो गई। vi. यह एक फ्लू की महामारी फ़ैल गयी vii. अकाल और महामारी के कारण लाखों लोग मारे गए। किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **सविनय अवज्ञा आंदोलन 'में गरीब किसानों की भूमिका** i. गरीब किसान केवल लगान में कमी नहीं चाहते थे उनमे से बहुत सर्रे किसान ज़मींदारो से पत्ते पर ज़मीं ले कर खेती कर रहे थे ii. वे ज़मींदारो वाला भाड़ा माफ़ करवाना चाहते थे I iii. वे कई तरह के कट्टरपंथी आंदोलनों में शामिल हुए, जिनका नेतृत्व अक्सर समाजवादी और कम्युनिस्ट करते थे। iv. कांग्रेस ज्यादातर जगहों पर 'भाड़ा विरोधी ' अभियानों का समर्थन करने के लिए तैयार नहीं थी। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या	PG-54 H PG-65.	3 3

25.	**भारत में संघवाद की विशेषताएं-** i. एक त्रिस्तरीय सरकार, राज्य, और स्थानीय स्थापित किया गया है। ii. भारत एक होल्डिंग फेडरेशन है। iii. केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच विधायी शक्तियों का तीन गुना वितरण है (a) संघ सूची-संघ सरकार अकेले इस पर कानून बना सकती है। पूर्व - विदेशी मामले, बैंकिंग, मुद्रा आदि। (b) राज्य सूची - राज्य सरकार अकेले इस पर कानून बना सकती है। पूर्व पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, सिंचाई आदि। (c) समवर्ती सूची - केंद्र और राज्य सरकारें दोनों इस पर कानून बना सकती हैं। Ex.- शिक्षा, वन, विवाह आदि। iv। भारतीय संविधान की मूल संरचना को केवल संसद द्वारा एकतरफा नहीं बदला जा सकता है। v। संघ सरकार के पास अवशिष्ट विषय पर कानून बनाने की शक्ति है। vi। संघर्ष से बचने के लिए सरकार के विभिन्न स्तरों की आय के स्रोतों को स्पष्ट रूप से संविधान में परिभाषित किया गया है। vii। केंद्र सरकार केंद्र शासित प्रदेशों का प्रशासन करती है। viii। भारत में न्यायपालिका संघ और राज्य और भारत के विभिन्न राज्यों के बीच विवादों को निपटाने के लिए जिम्मेदार है। IX. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या	PG-16-17 DP	3
26.	**आधुनिक समय में संचार क्षेत्र में बदलाव की गति तेज है।"** i. संचारक या रिसीवर के भौतिक आंदोलन लंबी दूरी की संचार बहुत आसान है। ii. देश में संचार, रेडियो, प्रेस, फिल्मों आदि सहित व्यक्तिगत संचार और जन संचार प्रमुख संचार माध्यम हैं। iii. भारतीय डाक नेटवर्क दुनिया में सबसे बड़ा है। यह पार्सल के साथ-साथ व्यक्तिगत लिखित संचार भी संभालता है। iv. कार्ड और लिफाफे को प्रथम श्रेणी का मेल माना जाता है और जमीन और हवा दोनों को कवर करने वाले स्टेशनों के बीच एयरलिफ्ट किया जाता है। द्वितीय श्रेणी के मेल में बुक पैकेट	PG-90. G	3

	शामिल हैं, सतह मेल द्वारा किए जाते हैं, भूमि और जल परिवहन को कवर करते हैं। v. बड़े कस्बों और शहरों में मेल की त्वरित डिलीवरी की सुविधा के लिए, छह मेल चैनल शुरू किए गए हैं। उन्हें राजधानी चैनल, मेट्रो चैनल, ग्रीन चैनल, बिजनेस चैनल, बल्क मेल चैनल और आवधिक चैनल कहा जाता है। vi. भारत में एशिया का सबसे बड़ा दूरसंचार नेटवर्क है। vi। भारत में गांवों को पहले से ही सब्सक्राइबर ट्रंक डायलिंग (एसटीडी) टेलीफोन सुविधा के साथ कवर किया गया है। vii। कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **"रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन की महत्ता अधिक है "** i. सड़कों की निर्माण लागत रेलवे लाइनों की तुलना में बहुत कम है। ii. सड़कें तुलनात्मक रूप से अधिक विच्छेदित भूभागों पर बनाई जा सकती हैं iii. अधिक ढाल प्रवणता तथा पहाड़ी क्षेत्रो में भी सड़के निर्मित की जा सकती है और इस तरह से हिमालय जैसे पहाड़ों को पार कर सकती हैं। iv. अपेक्षा कृत काम व्यक्तियों , कम दुरी व् कम वस्तुओं के परिवहन में सड़के मितव्ययी है v. यह घर घर सेवा भी प्रदान करती है; इस प्रकार, चढ़ाने और उतरने की लागत बहुत कम है। vi. सड़क परिवहन को परिवहन के अन्य साधनों के लिए कड़ी के रूप में भी उपयोग किया जाता है जैसे कि वे रेलवे स्टेशन, हवाई और समुद्री बंदरगाहों के बीच एक लिंक प्रदान करते हैं। vii. कोई अन्य प्रसांगिक बिंदु किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या	PG-82 G	3
27.	**स्रोत:**		

	26.1. विभिन्न देशों के बीच लोकतंत्र के लिए आकर्षण को पहचानें। 1 लोकतंत्र लोगों की आवश्यकता के लिए पारदर्शी, जवाबदेह और उत्तरदायी है / लोकतंत्र सभी सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं का समाधान कर सकता है।/ कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु 26.2. **अपेक्षित और वास्तविक परिणामों के आधार पर लोकतंत्र** । 2 अपेक्षित सरकार की गुणवत्ता है,--आर्थिक भलाई, असमानता को कम करना, सामाजिक मतभेदों को दूर करना और व्यक्ति की गरिमा। लोकतंत्र सिर्फ सरकार का एक रूप है। यह केवल उपर्युक्त परिणामों को प्राप्त करने के लिए स्थितियां बना सकता है।/कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु/ किन्ही दो बिंदुओं का उल्लेख	PG-90 DP	1+2=3
28.	. **आर्थिक विकास के लिए ऋण की भूमिका**- i. अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रों में ऋण की आवश्यकता होती है। ii. ऋण उत्पादन की कार्यशील पूंजी की जरूरत को पूरा करने में मदद करता है। iii. यह उत्पादन के चल रहे खर्चों को पूरा करने में मदद करता है। iv. यह कमाई बढ़ाने में मदद करता है। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही तीन **बिंदुओं की व्याख्या**	PG-43. E	3
29.	**अनुभाग- ग** **लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक दलों की आवश्यकता**: i. निर्वाचित प्रतिनिधि अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए जवाबदेह होगा कि वे स्थानीय स्तर पर क्या करते हैं। ii. राजनीतिक दलों का उदय प्रत्यक्ष रूप से प्रतिनिधि लोकतंत्रों के उद्भव से जुड़ा हुआ है। iii. बड़े पैमाने पर समाजों को प्रतिनिधि लोकतंत्र की आवश्यकता है।	PG-75 DP	5

	iv. जैसे-जैसे समाज बड़े और जटिल होते गए, उन्हें विभिन्न मुद्दों पर विभिन्न विचारों को एकत्र करने और सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए कुछ एजेंसी की भी आवश्यकता होती है। v. उन्हें विभिन्न प्रतिनिधियों को एक साथ लाने के लिएकोशिश करते है ताकि एक जिम्मेदार सरकार बनाई जा सके। vi. राजनीतिक दल इन जरूरतों को पूरा करते हैं जो प्रत्येक प्रतिनिधि सरकार के पास है। vii। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या । **अथवा** **भारत में राजनीतिक दलों और उसके नेताओं में सुधार के लिए हाल के प्रयास**: i. निर्वाचित विधायकों और सांसदों को दल बदलने से रोकने के लिए संविधान में संशोधन किया गया। ii. सांसदों और विधायकों को पार्टी के नेताओं को जो भी तय करना है उसे स्वीकार करना होगा। iii. यह हर उस उम्मीदवार के लिए अनिवार्य है जो अपनी संपत्ति और उसके खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का विवरण देते हुए AFFIDAVIT दाखिल करने के लिए चुनाव लड़ता है। iv. नई प्रणाली ने बहुत सी जानकारी जनता के लिए उपलब्ध कराई है। v. इसके कारण अमीरों और अपराधियों के प्रभाव में कमी आई है। vi. चुनाव आयोग ने एक आदेश पारित कर राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक कर दिया कि वे अपने संगठनात्मक चुनाव आयोजित करें और अपने आयकर रिटर्न दाखिल करें। vii. राजनीतिक दलों के आंतरिक मामलों को विनियमित करने के लिए एक कानून बनाया जाना चाहिए। राजनीतिक दलों को अपने	PG-83 DP	5

	सदस्यों के एक रजिस्टर को बनाए रखने, अपने स्वयं के संविधान का पालन करने, एक स्वतंत्र अधिकार रखने, पार्टी विवादों के मामले में न्यायाधीश के रूप में कार्य करने, सर्वोच्च पदों पर खुले चुनाव कराने के लिए अनिवार्य किया जाना चाहिए। viii. राजनीतिक दलों को महिला उम्मीदवारों को न्यूनतम संख्या में एक तिहाई टिकट देना अनिवार्य किया जाना चाहिए। ix. ।चुनावों का राज्य वित्त पोषण होना चाहिए। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या ।		
30.	नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और निम्न प्रश्नों के उत्तर दें: **स्त्रोत 1- धार्मिक सुधार और सार्वजनिक बहस।** *29.1 / इस बात का मूल्यांकन करें कि भारत में उन्नीसवीं शताब्दी की शुरुआत में प्रिंट ने बहस की प्रकृति कैसे बनाई।* (1) सामाजिक और धार्मिक सुधारकों और विधवाओं के अलगाव, एकेश्वरवाद, ब्राह्मणवादी पुरोहितवाद और मूर्तिपूजा जैसे मामलों पर हिंदू और कट्टरपंथियों के बीच गहन विवाद। बंगाल में, जैसा कि बहस विकसित हुई, ट्रैक्स और अखबारों ने कई तरह के तर्क प्रसारित किए। **स्त्रोत 2- प्रकाशन के नए रूप।** *29.2 / आप किस हद तक सहमत हैं कि प्रिंट ने अनुभव की नई दुनिया को खोला, और मानव जीवन की विविधता का एक ज्वलंत अर्थ दिया? (2)* अन्य नए साहित्यिक रूपों ने भी पढ़ने-पढ़ने की दुनिया में प्रवेश किया, लघु कथाएँ, सामाजिक और राजनीतिक मामलों के बारे में निबंध। अलग-अलग तरीकों से, उन्होंने मानव जीवन और अंतरंग भावनाओं पर नए जोर को मजबूत किया, राजनीतिक और सामाजिक नियमों के बारे में जिन्होंने इस तरह की चीजों को आकार दिया। **स्त्रोत 3- महिलाएं और मुद्रण** *29.3 / प्रिंट संस्कृति ने महिलाओं के जीवन और भावनाओं में किस हद तक रुचि दिखाई?* (2) i. महिलाओं के जीवन और भावनाओं में बहुत रुचि पैदा की,	PG-169-172. H	1+2+2=5

	ii. मध्यम वर्ग के घरों में महिलाओं की रीडिंग बहुत बढ़ गई। iii. महिला शिक्षा में वृद्धि, किसी भी दो का आकलन किया जाना है		
31.	**भारत में महिलाएं आज भी पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई** हैं क्योंकि उनके ऊपर अत्याचार होते हैं- i. कम लिंगानुपात। ii. नौकरियों में महिलाओं की संख्या कम है। iii. महिलाओं को कम मजदूरी (असमान मजदूरी) समान मजदूरी अधिनियम के लिए प्रेरित करती है। iv. महिलाओं को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। v. महिलाओं का दमन और शोषण। vi. पुरुष बच्चे के लिए वरीयता। vii. उच्च वेतन और मूल्यवान नौकरियों में कम महिलाए VII.महिलाओं में साक्षरता दर पुरुषों की तुलना में कम है। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही पाँच बिंदुओं की व्याख्या	PG-42-44 DP	5
32.	**वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं** र ": i. उत्पादकों और श्रमिकों के बीच, वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों को सेल फोन, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्ट ड्रिंक, फास्ट फूड या शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग जैसी सेवाओं में दिलचस्पी रही है। इन उत्पादों में बड़ी संख्या में अच्छी तरह से खरीदार हैं। ii. इन उद्योगों और सेवाओं में, नई नौकरियां पैदा हुई हैं। iii. इन उद्योगों को कच्चे माल आदि की आपूर्ति करने वाली स्थानीय कंपनियां समृद्ध हुई हैं। iv. शीर्ष भारतीय कंपनियों में से कई बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा से लाभ उठाने में सक्षम हैं।	PG-66 – 69 G	5

	v. वैश्वीकरण ने कुछ बड़ी भारतीय कंपनियों को स्वयं बहुराष्ट्रीय कंपनियों के रूप में उभरने में सक्षम बनाया है-टाटा मोटर्स (ऑटोमोबाइल), इंफोसिस (आईटी)। vi. वैश्वीकरण ने सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों के लिए भी नए अवसर पैदा किए हैं, विशेष रूप से आईटी से जुड़े लोगों के लिए **नकारात्मक प्रभाव** - vii. छोटे निर्माताओं को प्रतिस्पर्धा के कारण कड़ी टक्कर मिली है। viii. कई इकाइयों ने कई श्रमिकों को रोजगार देने के लिए बंद कर दिया है। ix. प्रतिस्पर्धा और अनिश्चित रोजगार वैश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा के दबाव ने श्रमिकों के जीवन को काफी हद तक बदल दिया है। पूरे के रूप में मूल्यांकन किया जाना है।		
33.	**उद्योगों को प्रभावित करने वाले भौतिक करक** i. कच्चे माल की उपलब्धता ii. बिजली संसाधनों की उपलब्धता iii. पानी की उपलब्धता iv. अनुकूल जलवायु **मानवीय कारक**: v. कुशल और अकुशल श्रम की श्रम-उपलब्धता अधिक उद्योगों को प्रेरित करती है vi। बाजार - बाजार में निकटता आवश्यक है क्योंकि परिवहन में न केवल व्यय शामिल है, बल्कि विलंब भी शामिल है vii। सरकारी नीति --इन सभी भौतिक और मानवीय कारकों से ऊपर, सबसे महत्वपूर्ण कारक सरकारी नीति है। viii। परिवहन सुविधा - एक कुशल परिवहन नेटवर्क कारखानों तक पहुंचने के लिए कच्चे माल और बाजारों तक पहुंचने के लिए तैयार माल की मदद करता है। झ। पूंजी - प्रत्येक उद्योग को क्रय मशीनों, बिजली और कच्चे माल के लिए पूंजी की आवश्यकता होती है, और मजदूरी का भुगतान करने और परिवहन लागतों को पूरा करने के लिए भी। vi। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	PG- 66 G	5

	किन्ही पाँच बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **औद्योगिक प्रदूषण:** i. पुन: उपयोग करके प् ii. पानी का उपयोग कम से कम करके और इसे दो या अधिक क्रमिक चरणों में पुनर्चक्रण करके। iii. पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्षा जल का संचयन। iv. नदियों और तालाबों में छोड़ने से पहले गर्म पानी और अपशिष्टों का उपचार करना। v. औद्योगिक अपशिष्टों का उपचार तीन चरणों में किया जा सकता है। (ए) यांत्रिक तरीकों, स्क्रीनिंग, पीस, flocculation और अवसादन द्वारा प्राथमिक उपचार। (b) जैविक प्रक्रिया द्वारा द्वितीयक उपचार c) जैविक, रासायनिक और भौतिक प्रक्रियाओं द्वारा तृतीयक उपचार, अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण। vi. भूजल की अधिकता को कानूनी रूप से विनियमित करने की आवश्यकता है। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही पाँच बिंदुओं की व्याख्या	PG-78 G	5
34.	**मानव विकास-** i. विकास के प्रति मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का संदर्भ देता है। ii. यह लोगों और मानव जीवन में गुणात्मक सुधार पर केंद्रित है। संकेतक iii. शिक्षा का महत्व iv. दीर्घायु या स्वास्थ्य सुविधाएं। v. प्रति व्यक्ति आय vi. जीवन स्तर।	PG-13-14	5

	कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्ही पाँच बिंदुओं की व्याख्या		
35.	OnMap: 35A & 35 B- **संलग्न मानचित्र देखे** **नोट: निम्नलिखित प्रश्न (केवल प्रश्न संख्या 35) दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए हैं,।** 35.1 बिहार 35.2 कलकत्ता (कोलकाता) 35.3 अमृतसर 35.4 केरला 35.5 महाराष्ट्र 35.6 गाँधी नगर 35.7 गोवा 35.8 तमिल नाडु		2+4=6 1X6=6

प्रश्न सं. **35** के लिए मानचित्र

Map for Q. No. **35**

32/3/1 , 32/3/2 , 32/3/3